दमोह जिला का ऐतिहासिक पुरातत्व

(ईस्वी-पूर्व 600 से 1200 ईस्वी तक)

डॉ. असर्फी लाल पाठक

शेखर प्रकाशन, प्रयागराज

Scanned with OKEN Scanner

प्रो. नागेश दुबे
विभागाध्यक्ष
प्रा.भा.इ.,सं.एवं पुरा.विभाग
डॉ. हरीसिंह गौर वि. वि. सागर (म.प्र.)

दमोह जिला का ऐतिहासिक पुरातत्त्व

(ईस्वी-पूर्व 600 से 1200 ईस्वी तक)

लेखक

डॉ० अशर्फी लाल पाठक

शेखर प्रकाशन, प्रयागराज (उ.प्र.)

Scanned with OKEN Scanner

प्रो. नागेश दुबे
विभागाध्यक्ष
प्रा.भा.इ.,सं.एवं पुरा.विभाग
डॉ. हरीसिंह गौर वि. वि. सागर (म.प्र.)

डॉ. ए. एल. पाठक
पुरातत्त्ववेत्ता (सेवानिवृत्त)
संचालनायल पुरातत्त्व संग्रहालय
एवं
अभिलेखागार
मध्य प्रदेश शासन, भोपाल
को
सादर समर्पित

Scanned with OKEN Scanner

विषय-सूची

अध्याय

1. **भौगोलिक स्थिति** — पृष्ठ 1-16

आकार, सीमा, नामकरण, भू-रचना, भौतिकी, प्रवाह, प्रणाली, जलवायु, मिट्टी, वनस्पति, पशु, पक्षी, खनिज, उपज, जनसंख्या, निवासी, जाति और वर्ग, ऐतिहासिक स्थल, यातायात के साधन।

2. **राजनैतिक इतिहास (प्रारम्भिक काल से 1200 ईस्वी तक)** — 17-53

प्रागैतिहासिक काल : पुरापाषाण काल, मध्य पाषाण काल, उत्तर पाषाण काल, नवपाषाण काल, शैलगृह तथा उनके चित्र।

ऐतिहासिक काल : जनपद, मौर्य, शुंग, कण्व, जनपद राज्य, आन्ध्र-सातवाहन बोधिवंश, खपर्रिक, गुप्तकाल, परिब्राजक।

पूर्व मध्यकालीन राजनैतिक इतिहास : वर्धन वंश, गुर्जर-प्रतिहार, कलचुरि तथा चंदेल।

3. **प्राचीन स्थल** — 54-78

अभाना, आंजनी-बेरखेरी, ककरा, कनौड़ा, कुण्डलपुर, कोड़ल, खड़ेरी, खमरिया, खेरुआ, गुबरा, गैसाबाद, चोपड़ा पट्टी, छितराखेड़ा, जटाशंकर, डूमर, तेजगढ़, तेंदूखेड़ा, जटाशंकर, दोनी, दमोह, देवगांव, नरसिंहगढ़, नोहटा, पौड़ीछपरा, फतेहपुर, फुटेरा, बटियागढ़, बड़गवां, बनगांव, बांदकपुर, बम्होरी, मोहड़, बरी, बरौदा कला, बालाकोट, बांसा, मड़ियादो, मोहदा, मोहन्ना, रोंड़, रानगिर, रनेह, रोहनियां, शहजादपुर, सकौर, सगोरिया, संग्रामपुर, सिंगौरगढ़, समन्ना, सलैया, हटा, हलगज, हारट, हिण्डोरिया, हिनौता आदि।

4. **धार्मिक स्थिति** — 79-97

धार्मिक स्थिति के दिग्दर्शन के स्रोत (साहित्य तथा पुरातत्व), शैव सम्प्रदाय, वैष्णव धर्म, शाक्त धर्म, जैन धर्म।

5. **वास्तुकला** — 98-117

वास्तुकला का मानव जीवन से अन्योन्याश्रित सम्बन्ध, वास्तुकला से सम्बन्धित साहित्यिक उल्लेख दमोह जिले में प्राप्त मंदिर वास्तु की प्राचीनता एवं उनका शैली की दृष्टि से विवेचना, उत्तर गुप्तकालीन सकोर, कुण्डलपुर से प्राप्त मंदिरों की वास्तुकलात्मक सामान्य विशेषताएँ, पूर्व मध्यकालीन वास्तुकला, नोहटा का कलचुरिकालीन नोहलेश्वर शिव-मंदिर, कोड़ल का शिवमंदिर, बरी-कनौड़ा का चन्देलकालीन भूमिज शैली का शिवमंदिर, कनौड़ा का मठ, कुण्डलपुर का

Scanned with OKEN Scanner

त्रिमणी मठ, पूर्व मध्यकालीन मंदिर-वास्तु, अवशेषों का विवरण-स्तम्भ, शिखर, द्वारशाखा, वेदी या द्वारपीठिका, छत प्रस्तर, चंद्रिका, आमलक।

विवेच्य युगीन मंदिर-वास्तु के मूलभूत तत्त्वों का विवरण—तलविन्यास, गर्भगृह, अन्तराल, महामण्डप, मण्डप, भित्तियों का बाह्य अलंकरण, प्रवेश-द्वार, शिखर।

6. *मूर्तिकला* 118-144

मूर्ति निर्माण की प्राचीनता। उत्तरगुप्तकालीन परिव्राजक एवं कलचुरि कालीन कला की विशेषताएँ, शिव एवं शिव के विभिन्न रूपों की प्रतिमाएँ, सामान्य शिवलिंग, पंच लिंगेश्वर, शिवलिंग, पूजन-दृश्य, मानवीय शिव-प्रतिमाएँ, कल्याणसुन्दर शिव, आलिंगन मुद्रा में शिव-पार्वती (उमा महेश्वर) प्रतिमाएँ, संयुक्त रूप (हरिहर) नन्दी, नन्दीश्वर।

गणपति प्रतिमाएँ—नृत्य प्रतिमाएँ, आसनस्थ प्रतिमाएँ, आलिंगनमुद्रा में शक्ति सहित गणेश, वैष्णव प्रतिमाएँ, स्थानक प्रतिमाएँ, आसनस्थ प्रतिमाएँ, शेषशायी विष्णु, विष्णु के विभिन्न अवतारों की प्रतिमाएँ, वराह, नृसिंह-वामन, त्रिविक्रम विष्णु, गरुड़विष्णु या लक्ष्मीनारायण के वाहन के रूप में, स्वतंत्र रूप में प्रतिमाएँ।

शाक्त प्रतिमाएँ—पार्वती, लक्ष्मी, इन्द्राणी, वीरलक्ष्मी, कंकाली, महिषासुरमर्दिनी, सरस्वती, नागी प्रतिमाएँ, सप्तमातृकाएँ, गंगा, यमुना, सुरसुन्दरी।

कामदेव, नवग्रह प्रतिमाएँ—त्रिदेवों के साथ, स्वतंत्र प्रतिमाएँ, अष्ट दिक्पाल। हनुमान, उपासक राजपुरुष, ध्यानस्थ योगी, पुरुष, योद्धा, अश्वारोही युद्ध-दृश्य, भारवाहक कीचक, व्यालक, गजशार्दूल, मादा श्वान, जिन-प्रतिमाएँ।

7. *उपसंहार*

परिशिष्ट

1. मुद्राएँ, शिलालेख 145-149

2. संदर्भ-ग्रन्थ सूची 150-157

3. चित्र-सूची

8. *चित्र फलक* 158-166

167-172

173-300

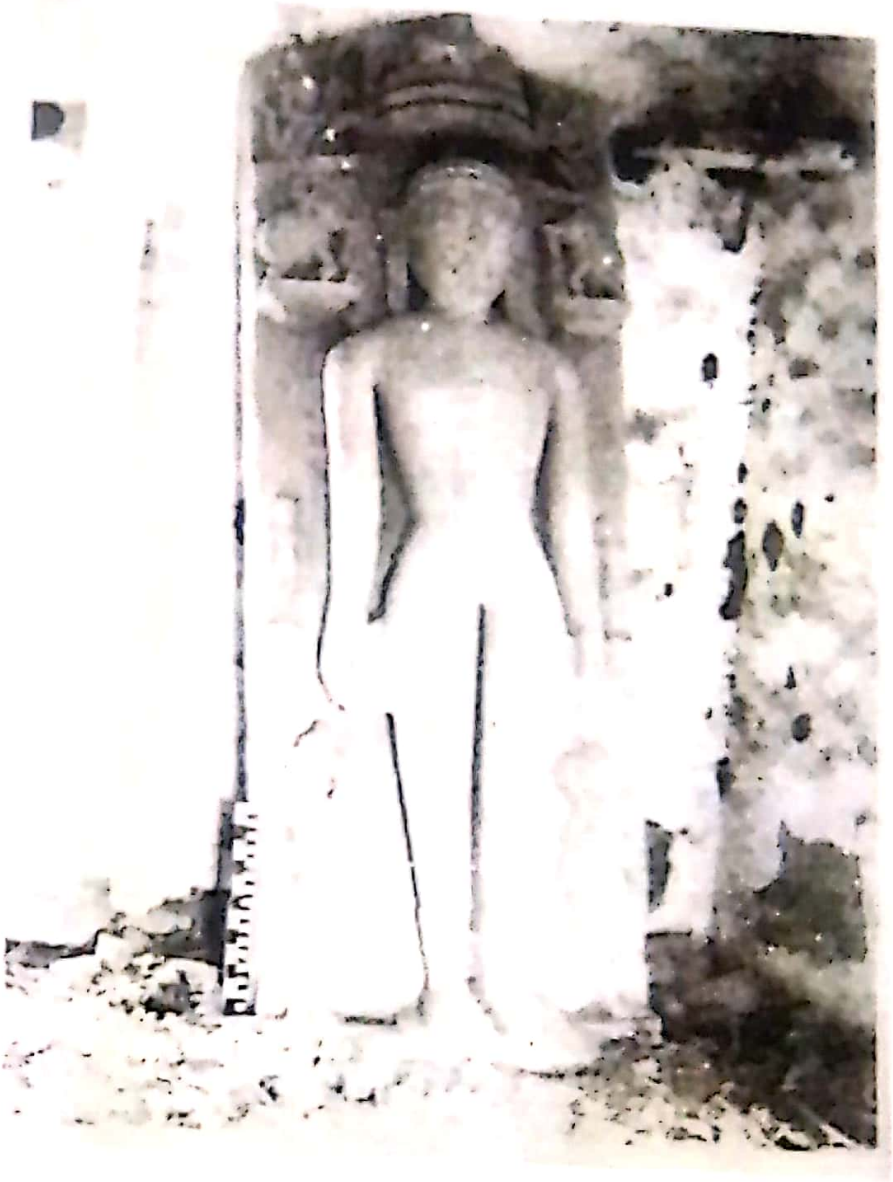

(4) जिन प्रतिमा, फतेहपुर

हमारे प्रमुख प्रकाशन

1. प्राचीन विश्व की प्रमुख सभ्यताएं - डॉ० विमलेश कुमार पाण्डेय
2. प्राचीन भारत का इतिहास (छठी शताब्दी ईसा पूर्व से ६०० ई० पश्चात तक) - डॉ० एम० पी० श्रीवास्तव, शालिनी श्रीवास्तव
3. प्राचीन भारत में राज्य तथा सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक जीवन - डॉ० श्रीमती रेखा चतुर्वेदी, डॉ० अरुण कुमार सिंह, डॉ० एम० पी० श्रीवास्तव
4. मध्यकालीन भारत में प्रशासनिक, आर्थिक एवं सामाजिक जीवन - डॉ० एम० पी० श्रीवास्तव
5. प्राचीन भारत का सामाजिक एवं आर्थिक जीवन - डॉ० एम० पी० श्रीवास्तव
6. भारत का सांस्कृतिक इतिहास - डॉ० एम० पी० श्रीवास्तव
7. भारतीय वास्तु तथा कला के मूलतत्व - असगर अली कादरी
8. बघेलखण्ड का राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास - डॉ० विक्रम सिंह बघेल
9. भारतीय स्थापत्य का इतिहास - त्रिपाठी एवं कादरी
10. भारतीय कला का इतिहास - त्रिपाठी एवं कादरी
11. भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन का इतिहास - राजाराम यादव
12. भारत में नारी - डॉ० सुधा सोनी
13. धर्मशास्त्रों में हिन्दू नारी - डॉ० सुधा सोनी
14. प्राचीन भारतीय धर्मों का परिचय - डॉ० श्रीमती रेखा चतुर्वेदी, अशोक दुबे
15. भारतीय पुरातत्व के तत्व - डॉ० श्रीमती रेखा चतुर्वेदी एवं डॉ० के० एल० अग्रवाल
16. उत्तर भारत का राजनैतिक इतिहास - डॉ० के० एल० अग्रवाल
17. भारतीय लिपिशास्त्र - डॉ० के० एल० अग्रवाल

शेखर प्रकाशन, प्रयागराज

Scanned with OKEN Scanner

हमारे प्रमुख प्रकाशन

1. प्राचीन विश्व की प्रमुख सभ्यताएं - डॉ0 विमलेश कुमार पाण्डेय
2. प्राचीन भारत का इतिहास (छठी शताब्दी ईसा पूर्व से 606 ई0 पश्चात तक) - डॉ0 एम0 पी0 श्रीवास्तव, शालिनी श्रीवास्तव
3. प्राचीन भारत में राज्य तथा सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक जीवन - डॉ0 श्रीमती रेखा चतुर्वेदी, डॉ0 अरुण कुमार सिंह, डॉ0 एम0 पी0 श्रीवास्तव
4. मध्यकालीन भारत में प्रशासनिक, आर्थिक एवं सामाजिक जीवन - डॉ0 एम0 पी0 श्रीवास्तव
5. प्राचीन भारत का सामाजिक एवं आर्थिक जीवन - डॉ0 एम0 पी0 श्रीवास्तव
6. भारत का सांस्कृतिक इतिहास - डॉ0 एम0 पी0 श्रीवास्तव
7. भारतीय वास्तु तथा कला के मूलतत्व - असगर अली कादरी
8. बघेलखण्ड का राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास - डॉ0 विक्रम सिंह बघेल
9. भारतीय स्थापत्य का इतिहास - त्रिपाठी एवं कादरी
10. भारतीय कला का इतिहास - त्रिपाठी एवं कादरी
11. भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन का इतिहास - राजाराम यादव
12. भारत में नारी - डॉ0 सुधा सोनी
13. धर्मशास्त्रों में हिन्दू नारी - डॉ0 सुधा सोनी
14. प्राचीन भारतीय धर्मों का परिचय - डॉ0 श्रीमती रेखा चतुर्वेदी, अशोक दुबे
15. भारतीय पुरातत्व के तत्व - डॉ0 श्रीमती रेखा चतुर्वेदी एवं डॉ0 के0 एल0 अग्रवाल
16. उत्तर भारत का राजनैतिक इतिहास - डॉ0 के0 एल0 अग्रवाल
17. भारतीय लिपिशास्त्र - डॉ0 के0 एल0 अग्रवाल

शेखर प्रकाशन, प्रयागराज

Scanned with OKEN Scanner